Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकोर्डिंग एवं कलाकार विवरण

फोल्डर नं:- ~~सुमान~~ खाँ 10

ट्रैक नं:- 2000 2

ट्रैक समयावधि:-

कलाकार का नाम:- सुमान खां

पिता का नाम:- सुमान खां

पता:- बड़नावा चारणान

सहायक कलाकार:-

विडियो रिकोर्डिंग समय:-

विषय:- कथा (राजा मोटजीत)

विशेष विवरण:-

दिनांक:-

स्थान:-

गायन/वादन:-

Anand
DATE :
PAGE NO. :

यह कथा राजा मोहजीत नाम से प्रचलित है। कथा में राजा मोहजीत और उसके उसके परिवार को माया मोह त्यागी और ईश्वर के प्रति दृढ़ विश्वास रखने वाले व्यक्त किया गया है। तथा राजा मोहजीत को एक साधारण और गुणी राजा के रूप में वर्णन किया गया है।

कथा की शुरूआत में राजा मोहजीत का लड़का शिकार के लिए जंगल में जाता है। वह घूमते-घूमते एक पहाड़ देखता है जिसके ऊपर हवा के विपरित दिशा में जा रहा है। तो वह पहाड़ के अंदर जाकर देखता है कि एक भक्त प्रभु साधु अपनी भक्ति में लीन है और चारों तरफ शान्ति है तो वह बोलता है नमः नारायण और उनके रव से आवाज आती है नारायण बच्चा बैठ तो राजकुमार बारबार आवाज लगाता है आखिर में साधु स्वयं उठता है। बोलता है नारायण बच्चा बैठ फिर उससे बात करता है पिता का नाम पूछने पर वह राजा मोहजीत बताता है। तथा साधु राजकुमार को अपने स्थान पर बिठाकर स्वयं उसके माता-पिता की परीक्षा लेने उसके घर जाता है और उसे सबसे पहले दासी मिलती है तो उससे कहता है कि राजकुमार की शेर ने हत्या कर दी उसे मार डाला तो वह ध्यान ही नहीं देती उसकी बात पर तो साधु सोचता है क्यूँ न उसकी रानी को ही जाकर कहूँ तो वह उनकी परीक्षा लेने उनकी माँ के पास जाता है और कहता है कि राजकुमार को शेर ने मार डाला यह नजारा देख मैंने सुबह से खाना तक नहीं खाया तो वह कहती है कि यह कौनसी बड़ी बात है एक दिन तो सभी को मरना है जिन्दगी एक यात्रा है अपने-अपने स्टेशन सभी को उतरना है। तुमने अनाज खाना क्यू छोड़ा यह सुनकर साधु आश्चर्यचकित हो जाता है और उनके पिता राजा मोहजीत के पास जाता है तो वह भी यही कहता है कि संसार सागर है जिसमें कई बुलबुले बनते है और पानी में विलीन होते है तुमने अनाज क्यू छोड़ा यह सुनकर साधु यह मान जाता है कि वास्तव में राजा मोहजीत मोह से परे है और राजा तो सिर्फ नाम के है यह तो साधु है। वह वापिस जाकर राजकुमार को वापिस अपने घर भेज देता है और अपनी भक्ति में लीन हो जाता है।